राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 12 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-251 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेट्रो और इंटरनेट सेवा बहाल हो, बैरिकेड्स हटाए जाएं

सुप्रीम कोर्ट बोला-शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन से ठीक पहले हुए सरकारी एक्शन और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक विशेष सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने वाले लोगों को अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए और राजधानी में मेट्रो व रेल सेवाएं सामान्य रूप से चालू रखी जाएं। बता दें कि जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने 9 अक्टूबर के अपने आदेश के कथित उल्लंघन और 10 अक्टूबर को दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिए जाने के मामलों पर तत्काल सुनवाई करते हुए कई अहम आदेश दिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की अवैध हिरासत पर रोक- कोर्ट ने प्रशासन को कड़ा निर्देश दिया है कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हो रहे हैं, उन्हें अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए।

मेट्रो और रेलवे सेवाओं की बहाली की जाए

अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि दिल्ली मेट्रो अपने सामान्य शेड्यूल के मुताबिक चले और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुचारू रूप से काम करे। कोर्ट ने कहा कि जब तक कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बेहद जरूरी न हो, शहर से सभी बैरिकेड्स हटा दिए जाने चाहिए ताकि आम लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाएं बाधित नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि वकीलों, पत्रकारों और अन्य पेशेवरों को उनके पेशेवर कर्तव्यों (प्रोफेशनल ड्यूटी) के निर्वहन से बिल्कुल न रोका जाए। अदालत ने यह भी साफ किया कि नागरिकों को विरोध प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह प्रक्रिया कानून के दायरे में ही होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय दिन
मां ब्रह्मचारिणी

मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग और संयम की प्रतीक हैं। इनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल रहता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से साधक को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। भक्त ज्ञान, शांति और सफलता के लिए इनकी पूजा करते हैं।

टीएमसी विधायक बिभास सरदार पर हमला कार के शीशे तोड़े

बीजेपी पर आरोप,5 महीने में 26 से ज्यादा टीएमसी नेताओं पर हमले

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर ईस्ट से टीएमसी विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले उनकी कार का शीशा ईंट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में उनकी आंख में चोट आई है। बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 15 साल बाद टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई और पहली बार बीजेपी की सरकार बनी।

चुनाव के बाद पिछले 5 महीनों में टीएमसी के 26 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने या हमले की घटनाएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि विधायक पर 2 बार हमला हुआ। पहला हमला मनसाताला और दूसरा गोलबेरिया हाट में हुआ। ये दोनों जगहें जयनगर पुलिस स्टेशन के इलाके में आती हैं। उनके सुरक्षा गार्ड और ड्राइवर को भी परेशान करने का आरोप है। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और विधायक को बचाया। बीजेपी के जादवपुर संगठनात्मक जिला अध्यक्ष मनोरंजन ने इन आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना में बीजेपी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में 12 घंटे से झड़प,9 लोगों की मौत

हिंसक झड़पों,गोलीबारी और आगजनी से तनाव बढ़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा का एक बेहद खौफनाक दौर देखने को मिला है। राज्य के तीन अलग-अलग जिलों में महज 12 घंटों के भीतर हुई हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी में एक गूर्खा किसान और पांच बच्चों की मां सहित कुल 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस तांडव के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बता दें कि इस ताजा हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात को कामजोंग जिले के चास्साद गांव में हुई, जहां 42 वर्षीय कुकी महिला डोमखोनेई तौथांग की गोली लगने से मौत हो

गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें गांव के सुरक्षा गार्ड पोस्ट को हटाने गई थीं, जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी की क्रॉसफायर में वह महिला फंस गई। उनके पैर और सीने में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ी और कुकी व नागा समुदायों के बीच कई जगह आमने-सामने की जंग छिड़ गई। चास्साद गांव में शनिवार सुबह एक हमले में 22 वर्षीय माइकल गाममिनलेन हाओकिप की मौत हो गई और कई कुकी घरों को आग के हवाले कर दिया गया।

अपनी ही सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है भारत:मोदी

पीएम बोले-तमिलनाडु में दिखती है नए भारत की झलक

पीएम मोदी ने सीएम विजय के साथ मेट्रो में किया सफर

चेन्नई (एजेंसी)। पीएम मोदी ने चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में टीवीके ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है। पीएम मोदी ने कहा- देश को मजबूत बनाने के लिए राज्यों को मजबूत करना जरूरी है। इसलिए केंद्र सरकार तमिलनाडु जैसे राज्यों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रही है। केंद्र सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियान से तमिलनाडु को भी फायदा हो रहा है।

तमिलनाडु में सरकारें बदलती रहीं, मेरा सेवा का संकल्प जारी रहा

पीएम मोदी ने कहा- मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ कई बार बातचीत करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां के लोगों की सेवा करने का मेरा संकल्प कायम रहा। अब हम मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

आपके प्यार से सरकार प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे

मोदी बोले- कुछ दिन पहले ही, आपके आशीर्वाद और देश की जनता के प्यार से मैंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे करने का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया। अक्टूबर 2001 में मैंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से देश की जनता ने मुझे पहले मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। पीएम मोदी ने कहा, आज तमिलनाडु के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज के कार्यक्रम में 13,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। इनमें से कुछ परियोजनाएं रोजमर्रा की आवाजाही को आसान बनाएंगी,जबकि कुछ उद्योग और व्यापार को मजबूती देंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु के युवाओं के लिए रोजगार देंगे।

समय-समय पर आंदोलन ने देश को दिशा देने का किया है काम

चिराग बोले- प्रदर्शन का अधिकार, युवाओं पर बल प्रयोग नहीं हो

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोजपा-आर प्रमुख चिराग पासवान ने एक बार फिर से दिल्ली में छात्रों और युवाओं के चल रहे आंदोलन के बीच बड़ा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना एक बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार है। हालांकि, जो लोग प्रदर्शनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने और अराजकता फैलाने के लिए करते हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें रोका जाना चाहिए। चिराग पासवान ने रविवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अगर कांग्रेस को चुनाव आयोग को लेकर कोई चिंता है, तो उसे सही माध्यमों से अपनी बात रखनी चाहिए। वो किसी भी तरह की हिंसा के खिलाफ हैं।

तीन-चार दिनों तक सड़क जाम करना उचित नहीं

चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस पिछले तीन-चार दिनों से लगातार सिर्फ यही करने का काम कर रही है। कांग्रेस ने पूरी दिल्ली को और दिल्ली वासियों को परेशानी में डाल रखा है। यदि उन्हें कोई एतराज है, तो वो समय लेकर चुनाव आयोग के पास जाए। वो राष्ट्रपति से भी मुलाकात कर चुके हैं, लेकिन अब भी वो सिर्फ हंगामा कर रहे हैं। तीन-चार दिनों तक सड़क जाम करना कहीं से उचित नहीं है। ऐसे में सीजेपी जैसी पार्टियां जिस तरीके से युवाओं के माध्यम से अराजकता उत्पन्न करना चाह रही है, उन्हें चिह्नित कर रोक लगना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल छात्रों और लड़कियों की पिटाई करने के सवाल पर चिराग ने कहा कि वो किसी भी हिंसा के पक्ष में नहीं है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का मार्च आज

जंतर-मंतर जा सकते हैं,राहुल ने चीफ जस्टिस से मिलने का समय मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष कल सोमवार को दिल्ली में मार्च निकालेगा। विपक्षी सांसद जंतर-मंतर भी जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी सीजेआई सूर्यकांत से मुलाकात करेंगे। शाम 4 से 5 बजे के बीच मिलने का समय मांगा गया है। उन्होंने कहा कि हम सीजेआई को देश में लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति से अवगत कराएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग की स्वायत्तता कमजोर करने और 'वोट चोरी' जारी रखने का आरोप लगाया। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने 6, 7, 8 और 9 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन किया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना

जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे।

इमरान खान के समर्थन में जारी विरोध मार्च

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला जा रहा था। यह मार्च 4 अक्टूबर को लक्की मरवत से शुरू हुआ था और इसका उद्देश्य इमरान खान की रिहाई और उनके लिए बेहतर इलाज की मांग करना था। पीटीआई की योजना इस मार्च को इस्लामाबाद ले जाकर धरना देने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इमरान खान की पार्टी मांग कर रही है कि इमरान खान से तुरंत मिलने दिया जाए, उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंच मिले, उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच कराई जाए और बहनों को रिहा किया जाए।

पटरियों पर दौड़ती ट्रेन के 10 डिब्बों में सजा है नौ देवियों का दरबार

भाप इंजन के चालक बनेंगे भगवान भोलेनाथ और गार्ड के रूप में दिखेंगे गणपति

नवरात्रि में विदिशा के मोहनगिरी तिराहे पर श्रद्धा और रचनात्मकता का अनूठा संगम

विदिशा (एजेंसी)। धार्मिक आस्था और अनूठी सजावट के लिए इस बार विदिशा का मोहनगिरी तिराहा खास आकर्षण बनने जा रहा है। यहां माता रानी के दरबार को भारतीय रेलवे की थीम पर तैयार किया जा रहा है। पूरे तिराहे को रेलवे स्टेशन जैसा स्वरूप दिया जा रहा है, जिसे 'मोहनगिरी जंक्शन' नाम दिया गया है। इस झांकी की सबसे खास बात भाप से चलने वाले पुराने स्टीम इंजन की प्रतिकृति और उसके पीछे लगी 10 डिब्बों की ट्रेन होगी। झांकी में भगवान भोलेनाथ को इंजन चालक के रूप में दर्शाया गया है। वहीं, ट्रेन के अलग-अलग डिब्बों में देवी मां के विभिन्न स्वरूप विराजमान होंगे। एक डिब्बे में भगवान गणेश को गार्ड के रूप में दिखाया गया है।

रेलवे स्टेशन जैसा माहौल श्रद्धालुओं का होगा स्वागत

समिति के सदस्यों के मुताबिक, झांकी को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन और ट्रेन का वास्तविक अहसास हो। 'मोहनगिरी जंक्शन' पर पहुंचने वाले भक्तों का विशेष स्वागत भी किया जाएगा। विदिशा को मध्य प्रदेश की प्रमुख धार्मिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है। बेतवा नदी के बीच स्थित चरण तीर्थ धाम श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय धार्मिक मान्यता के अनुसार, वनवास के दौरान भगवान राम के चरण इस स्थान पर पड़े थे, इसी वजह से इसे चरण तीर्थ कहा जाता है। मोहनगिरी तिराहे पर तैयार हो रही है यह झांकी।

एफ-35 के पास भी नहीं जाने देते और खरीदने की बात करते हैं

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिकी कमांडर को जमकर सुना दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिका की ओर से भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट बेचने संबंधी दावों पर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया है। जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2026 के समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में इंडियन एयर फोर्स चीफ मार्शल एपी सिंह ने अहम टिप्पणी की। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि हमें कोई ऑफिशियल ऑफर नहीं आया है एफ-35 का। मैं अभी इधर अमरीकी कमांडर को बता रहा था कि हमें तो जहाज के पास जाने नहीं दे रहे आपके लोग, आप हमें बेचने की बात करते

हैं। तो ऐसा कोई ऑफिशियल ऑफर हमारे पास नहीं आया है जो हमारे तक पहुंचा हो। भारतीय वायुसेना चीफ ने आगे कहा कि और जहां तक एफ-57 का सवाल है, हमें खबर आई है कि उन्होंने ऑफर किया है। लेकिन अभी तक कोई डिसीजन नहीं हुआ है कि हमें चेक करना है या नहीं करना है। जब हमें डिसीजन दिया जाएगा, हम उसको इवेलुएट करेंगे कि हमारी रिक्वायरमेंट्स पर वो कितना खरा उतरता है। बाकी उसकी कितनी कैपेबिलिटीज हैं, वो सब ओपन सोर्स में अवेलेबल हैं, तो अभी हमें उतना ही पता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत भविष्य की कॉम्बैट एयरक्राफ्ट जरूरतों का मूल्यांकन कर रहा है और साथ ही स्वदेशी रक्षा निर्माण को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। देश रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता बन रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन

(लेखक- संजय गोस्वामी)

साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है।

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए आज ही साईकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ऐ कई बार राजनेताओ ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढा व्यक्ति सभी चला सकते है।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज़्यादा वेलोसिपेड चलाईं, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज़ बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफ़ी ज़्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज़्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाज़त देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को 卐बोनशेकर卐 का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर 卐ऑर्डिनरी卐 नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज़्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वज़न आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वज़न 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफ़ास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेज़िस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज़्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज़्यादातर साइकिलों का वज़न सिर्फ़ 25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिज़ाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज़्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज़्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज़्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरुआती मास ट्रांज़िट सिस्टम की तेज़ी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया— खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिज़ाइन और पार्ट्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिज़ाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोकेट से दूसरे स्प्रोकेट तक ले जाने वाले डिरेलियर गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियाँ दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियाँ बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्ज़ा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित माउंटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे 卐क्लंकर卐 कहा था, माउंटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में डेवलप की गईं। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेफ्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउंटेन बाइक डेवलप्ड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। टूरिंग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेंगे।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अमेरिकी अहंकार

अमेरिकी प्रशासन ने प्रशिक्षित विदेशी कर्मियों को अपने यहां स्थायी निवास हासिल करने की अनुमति देने वाले एक कार्यक्रम से भारत की प्रमुख आईटी कंपनियों को जिस तरह बाहर किया, उससे उसके भारत विरोधी रवैए के साथ अहंकार का भी परिचय मिलता है। उसने कुछ अमेरिकी कंपनियों को भी इस कार्यक्रम से बाहर किया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि वह भारत को खास तौर पर निशाना बनाना चाहता है। अमेरिकी सरकार ने इस फैसले के साथ ही आईटी कंपनियों का यह निर्देश दिया कि वे विदेशी कर्मियों के स्थान पर अमेरिकी नागरिकों को काम पर रखें। एक तो यह इतना आसान नहीं, क्योंकि भारत जैसे सक्षम आईटी पेशेवर वहां हैं नहीं और दूसरे इससे कंपनियों का खर्च भी बढ़ेगा। ऐसे में वे विकल्प तलाशेंगी। वे अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर भारत लाने का काम और तेज कर सकती हैं। इससे कुलमिलाकर अमेरिका को ही नुकसान होगा। अमेरिका भारत को अपने दबाव में लेने की कोशिश में यह भूल रहा है कि वह जिन आइटी पेशेवरों की राह रोकना चाहता है, उन्होंने उसके विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इनमें सबसे अधिक योगदान भारतीयों का है। लगता है उसे यह पच नहीं रहा है और इसीलिए वह भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा नियम भी सख्त करता चला जा रहा है। यदि अमेरिका यह समझ रहा है कि उसके मनमाने फैसलों से भारत उसके दबाव में आ जाएगा तो यह होने वाला नहीं। यह एक तथ्य है कि भारत व्यापार समझौते के मामले में उसकी मनचाही शर्तों को मानने को तैयार नहीं। इसी तरह वह रूस से तेल आयात बंद करने को भी तैयार नहीं। समस्या केवल यह नहीं है कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन एक बाद एक ऐसे फैसले ले रहा है, जो भारत के लिए परेशानी खड़ी करने और दोनों देशों के संबंधों में खटास बढ़ाने वाले हैं, बल्कि यह भी है कि एलन मस्क जैसे उसके कारोबारी ट्रंप प्रशासन की तरह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं, जैसे भारत को वही करना चाहिए, जो वे कह रहे हैं। वे यह चाह रहे हैं कि भारत सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली उनकी स्टारलिंक सेवा को बिना रोक-टोक आने दे। इस मामले में वे भारत की चिंताओं पर गौर करने को तैयार नहीं। निःसंदेह वे विश्व के सबसे बड़े और धनी कारोबारी हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि भारत में अपनी शर्तों पर कारोबार करने को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लें। उन्होंने ऐसा ही अड़ियल रवैया अपनी टेस्ला कार को भारत में उपलब्ध कराने के मामले में भी अपनाया था। वास्तव में वे भी ट्रंप प्रशासन की तरह अहंकार का ही प्रदर्शन कर रहे हैं। अब जब अमेरिका मित्र देश जैसा व्यवहार नहीं कर रहा है, तब भारत को भी उसका प्रतिकार करने की तैयारी करनी चाहिए।

निःसंदेह वे विश्व के सबसे बड़े और धनी कारोबारी हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि भारत में अपनी शर्तों पर कारोबार करने को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लें। उन्होंने ऐसा ही अड़ियल रवैया अपनी टेस्ला कार को भारत में उपलब्ध कराने के मामले में भी अपनाया था। वास्तव में वे भी ट्रंप प्रशासन की तरह अहंकार का ही प्रदर्शन कर रहे हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार 2026: ट्रंप की उम्मीदों पर फिरा पानी!

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

-भारतीय मूल की नावी पिल्लई ने मारी बाजी-शांति का सम्मान या वैश्विक राजनीति को संदेश? -दुनिया को मिला अंतरराष्ट्रीय न्याय का बड़ा संदेश! -समग्र व्यापक विश्लेषण

नोबेल ने चुना न्याय का रास्ता ट्रंप रह गए खाली हाथ !भारतीय मूल की नावी पिल्लई आगे! शांति पुरस्कार के फैसले ने दुनियाँ को क्या संदेश दिया?

दुनियाँ की निगाहें ट्रंप पर थीं, नोबेल ने चौंकाया! नावी पिल्लई को शांति पुरस्कार मिलने के मायने क्या हैं? -ट्रंप के दावों से आगे निकला न्याय का सिद्धांत! वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे प्रतिष्ठित शांति सम्मानों में शामिल नोबेल शांति पुरस्कार 2026 की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह सम्मान मिलने की अटकलों के बीच नॉर्वे की नोबेल समिति ने भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद् नावी पिल्लई को विजेता घोषित किया। यह फैसला केवल एक प्रतिष्ठित पुरस्कार की घोषणा नहीं, बल्कि मानवाधिकारों, अंतरराष्ट्रीय कानून और युद्ध अपराधों के विरुद्ध न्याय की महत्ता को रेखांकित करने वाला घटनाक्रम है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में युद्धविराम कराने और शांति स्थापित करने में भूमिका निभाई है। ऐसे माहौल में उनका नाम चर्चा में रहने के बावजूद पुरस्कार किसी राजनेता के बजाय दशकों से मानवाधिकारों और न्याय के लिए काम करने वाली महिला को मिलना सटीकता से वैश्विक सुर्खियों का विषय बन गया है।

साथियों बात अगर हम नावी पिल्लई कौन हैं और उन्हें क्यों मिला यह सम्मान? इसको समझने की करें तो नावी पिल्लई का पूरा नाम नवनेथम पिल्लई है। उनका जन्म 23 सितंबर 1941 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में भारतीय तमिल मूल के परिवार में हुआ था। रंगभेद के दौर में सामाजिक भेदभाव के अनुभवों ने उनके जीवन और कानूनी संघर्ष को गहराई से प्रभावित किया। वर्ष 1967 में वह नटाल क्षेत्र में वकालत शुरू करने वाली पहली महिला बनीं और दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश भी बनीं। उनका योगदान दक्षिण अफ्रीका तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने रवांडा के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से जुड़ीं और वर्ष 2008 से 2014 तक संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त रहीं। उन्होंने युद्ध अपराधों, मानवता के विरुद्ध अपराधों, नरसंहार और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए लगातार काम किया।नोबेल समिति ने 9 अक्टूबर 2026 को उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए सम्मानित करने की घोषणा की। समिति के अनुसार, पिल्लई ने शक्तिशाली देशों और राष्ट्रीय नेताओं को भी जवाबदेह ठहराने तथा हिंसा और संघर्ष के पीड़ितों में न्याय की उम्मीद जगाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

साथियों बात अगर हम नोबेल समिति के अध्यक्ष ने क्या कहा? इसको समझने की करें तो, नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष योर्गेन वाटने फ्राइडनेस ने घोषणा करते हुए कहा कि पिल्लई का काम अधिक शांतिपूर्ण दुनिया चाहने वाले लोगों के लिए आशा और प्रेरणा का स्रोत है। समिति की विज्ञप्ति में कहा गया कि जब युद्ध और संघर्ष बढ़ रहे हों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून की संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव पड़ रहा हो, तब यह याद दिलाना आवश्यक है कि बल प्रयोग के बजाय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन पर निर्भर करता है। समिति ने यह भी रेखांकित किया कि ऐसा अंतरराष्ट्रीय कानूनी तंत्र, जिसमें युद्ध अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाए और दुर्व्यवहार के पीड़ितों को न्याय मिले, शांतिपूर्ण दुनिया की बुनियादी शर्त है। इस वर्ष के पुरस्कार के लिए कुल 287 उम्मीदवार नामांकित थे, जिनमें एक चौथाई से कुछ अधिक संगठन थे।

साथियों बात अगर हम ट्रंप पर क्या प्रभाव पड़ा और मीडिया में कैसी प्रतिक्रिया है? इसको समझने की करें तो अब डोनाल्ड ट्रंप को यह पुरस्कार नहीं मिला,जबकि उनके शांति प्रयासों और विभिन्न संघर्षों में युद्धविराम कराने के दावों के कारण उनके समर्थकों के बीच इस संभावना की चर्चा थी। इसलिए घोषणा के बाद उनके समर्थकों की अपेक्षाओं और पुरस्कार की चयन प्रक्रिया को लेकर बहस होना स्वाभाविक है। हालांकि, यह कहना कि नोबेल समिति ने ट्रंप को निशाना बनाने के लिए पिल्लई को चुना, उपलब्ध तथ्यों से पुष्ट नहीं होता। रॉयटर्स की रिपोर्ट में ओस्लो स्थित पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक हाकोन गेर्लोव ने भी इस चयन को ट्रंप पर सीधा हमला मानने से इनकार किया और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून-आधारित व्यवस्था को प्रोत्साहन देने वाला कदम बताया।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय समाचार माध्यमों ने पिल्लई की न्यायिक पृष्ठभूमि, मानवा धिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और युद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही पर विशेष ध्यान दिया है। उनकी अध्यक्षता वाले संयुक्त राष्ट्र जांच आयोग ने गाजा के संबंध में नरसंहार का निष्कर्ष दिया था, जिसे इजरायल ने खारिज किया था। इस पृष्ठभूमि के कारण पुरस्कार की घोषणा को अंतरराष्ट्रीय न्याय, इजरायल-फलस्तीन विवाद और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं की भूमिका के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पुरस्कार से बड़ा संदेश, नावी पिल्लई को मिला नोबेल शांति पुरस्कार यह संदेश देता है कि शांति का अर्थ केवल युद्धविराम कराना नहीं, बल्कि न्याय, मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की रक्षा करना भी है। ट्रंप को पुरस्कार न मिलना राजनीतिक चर्चा का विषय अवश्य है, लेकिन इस निर्णय का वास्तविक महत्व किसी नेता की जीत या हार से आगे है। यह उस सिद्धांत की पुष्टि करता है कि स्थायी शांति के लिए ताकत के साथ-साथ जवाबदेही, निष्पक्ष न्याय और मानवीय गरिमा का सम्मान भी अनिवार्य है।

-(लेखक क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) हैं)

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है। यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

भारतवंशी जज नवी को शांति का नोबेल पुरस्कार

(लेखक-सनत जैन)

दक्षिण अफ्रीकी जज और यूएन में मानवाधिकार की प्रमुख रहीं भारतीय मूल की नवी पिल्ले को नोबेल शांति अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह भारत के लिए गौरव का विषय है। भारतीयों में शांति और अहिंसा का खून बहता है। महात्मा गांधी के बाद एक बार फिर भारतीय मूल की जज नवी पिल्ले ने सारी दुनिया में भारत का भी गौरव बढ़ाया है। भारतीय संस्कृति, सत्य, अहिंसा और शांति का असर पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहता है। नवी पिल्ले ने युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने, दुष्कर्म को नरसंहार जैसा कृत्य, तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून में मानव अधिकारों को मजबूत बनाने का जो प्रयास किया है, वह विश्व शांति के लिए एक असाधारण प्रयास है। वर्तमान में जब सत्ता के लिए जगह-जगह संघर्ष हो रहे हों, ऐसे समय पर उनको यह पुरस्कार दिया जाना निश्चित रूप से समय की मांग है। रवांडा में जब दुष्कर्म को उन्होंने नरसंहार की तरह अपराध माना, अपराधी को उसी तरह की सजा दी। 2025 में संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयोग के प्रमुख पद पर रहते हुए उन्होंने इजराइल और गाजा के बीच में जो युद्ध चल रहा था, उसमें जिस तरह से बच्चों, महिलाओं और आम नागरिकों की हत्या की जा रही थी, उसे युद्ध अपराध घोषित किया। उन्होंने बिना किसी दबाव के मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने न्यायिक कार्यकाल में पीड़ितों को हर तरह से न्याय देने का प्रयास किया है। वह कभी भी किसी डर और दबाव में नहीं आई। बिना किसी आशा-निराशा के उन्होंने अपने काम को पूरी ईमानदारी के साथ किया। दुनिया के सभी देशों में उनके इंसाफ को लेकर चर्चा होती है। उन्होंने अपना सारा जीवन बड़ी सादगी के साथ बिताते हुए न्याय सिद्धांतों को लेकर कभी कोई समझौता नहीं किया।

नवी के पूर्वज 1890 में मद्रास प्रेसीडेंसी से मजदूर के रूप में दक्षिण अफ्रीका गए थे। तब से यह परिवार वहीं रह रहा है। नवी का जन्म 1941 में डरबन में हुआ था। उन्होंने अपने दादा की जन्मभूमि का गौरव बढ़ाया है। आठ भाई बहनों के परिवार में उन्होंने अपने सभी भाई-बहनों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। परिवार के सभी सदस्यों को अच्छे संस्कार दिए। उनके पिता मजदूर और सामान्य ड्राइवर थे। गरीबी के साथ संघर्ष करते हुए उन्होंने पूरे परिवार को संस्कार देते हुए उन्हें सम्मानजनक जीवन के लिए आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। 1967 में रंगभेद के कारण जब उन्हें कोई नौकरी नहीं मिली, उन्होंने खुद अपनी लॉ फर्म खोली, पहली अश्वेत महिला के रूप में कानून का व्यवसाय शुरू किया। उनकी कानून व्यवसाय में असाधारण सफलता को देखते हुए,1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने उन्हें हाईकोर्ट जज के रूप में नियुक्त किया। वह दक्षिण अफ्रीका की पहली महिला जज थीं। उन्हें व्यक्तिगत शांति नोबेल पुरस्कार मिला है। जो वैश्विक स्तर का सबसे बड़ा सम्मान है। यह पुरस्कार इसके पहले 1979 में मदर टेरेसा और एक भारतीय कैलाश सत्यार्थी को शांति के लिए मिला था। कहा जाता है, मेहनत और ईमानदारी खून में बहती है। मजदूर के रूप में अफ्रीका गए, उनके दादा और पिता ने मेहनत और ईमानदारी के बल पर दूसरे देश में जाकर अपने साथ-साथ भारत को भी गोरवान्वित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में शांति का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने अपनी ताकत, साजिश और धन का भी भरपूर उपयोग किया है। इसके बाद भी नोबेल पुरस्कार देने वाली संस्था ने अपने निर्णय में दबाव को नहीं आने दिया। नोबेल पुरस्कार की जैसे ही घोषणा हुई, उसके कुछ ही घंटे बाद ट्रंप प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक कोर्ट में प्रतिबंध लगाकर अपनी नाराजी जाहिर कर दी। इससे नोबेल पुरस्कार का महत्व और भी बढ़ गया है। यही कहा जा सकता है।

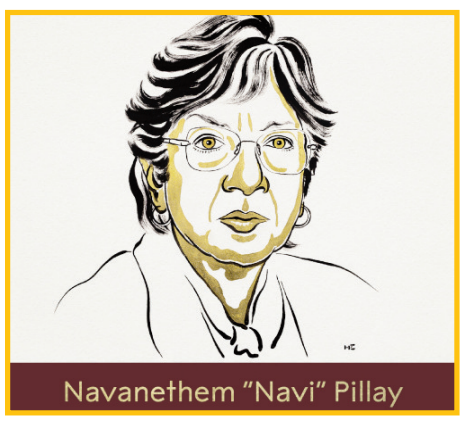

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुजलॉन 550 करोड़ से तीन एआई आधारित 'विंड ब्लेड' कारखाने लगाएगी

चेन्नई ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सुजलॉन समूह देश में पवन ऊर्जा उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अपने विशाल ऑर्डर बुक के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए 550 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश कर रहा है। कंपनी तीन नए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पवन टर्बाइन ब्लेड (विंड ब्लेड) कारखाने स्थापित करेगी, जिससे विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी और तेजी से ऑर्डर पूरे किए जा सकेंगे। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार, इनमें से दो संयंत्र गुजरात और कर्नाटक में, जबकि तीसरा तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा। कुल 550 करोड़ रुपए के निवेश में से तमिलनाडु इकाई पर 200 करोड़ रुपए और शेष 350 रुपए करोड़ गुजरात व कर्नाटक की परियोजनाओं पर खर्च होंगे। ये कारखाने 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है और इनका वित्तपोषण कंपनी अपने आंतरिक स्रोतों से करेगी। ये नए संयंत्र स्मार्ट फैक्ट्रियों के रूप में विकसित होंगे, जहां एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रणालियों का व्यापक उपयोग होगा, जिससे उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता में सुधार आएगा। पवन ऊर्जा स्थलों के निकट होने से परिवहन भी सुधरेगा। इन इकाइयों से लगभग 3,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जिनमें से 80त्न ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। सुजलॉन के पास मार्च 2026 तक लगभग छह गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ऑर्डर हैं, जिन्हें पूरा करने में ये कारखाने अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार भी देश में निर्मित कुशल पवन ऊर्जा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

नए ऑर्डर और कोटक की रेटिंग अपग्रेड से केईसी इंटरनेशनल के शेयर उछले

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में भारी गिरावट झेलने के बाद केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में उछाल आया। 1,030 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिलने पर कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इसकी रेटिंग ऐड में अपग्रेड की, हालांकि लक्ष्य मूल्य 470 से घटाकर 400 रुपये कर दिया। शुक्रवार को केईसी इंटरनेशनल का शेयर 5.67 फीसदी चढ़कर 369.70 रुपये पर बंद हुआ, हालांकि यह अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 893.95 रुपये से काफी नीचे है। कोटक के अनुसार, भारत में बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार (अगले 10 वर्षों में 7.9 लाख करोड़ निवेश संभावित) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से कंपनी को लाभ होगा। ब्रोकरेज ने केबल और वायर कारोबार (अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ राजस्व अनुमानित) तथा पश्चिमी एशियाई बाजारों में भी नए प्रोजेक्ट की उम्मीद जताई है। हालांकि, भुगतान में देरी, बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 27-28 की पहली छमाही तक मुनाफे पर दबाव रह सकता है। नए ऑर्डर से उम्मीदें बढ़ी हैं, लेकिन शेयर में आगे की तेजी कंपनी की वास्तविक कमाई और मुनाफे में सुधार पर ही निर्भर करेगी।

एच-1बी विवाद पर माइक्रोसाफ्ट बोला- 80 फीसदी आवेदन मौजूदा कर्मचारियों के लिए

ट्रंप-युग की पाबंदियों के बीच कंपनी ने वीजा नीति पर दी सफाई, आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन ।

अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रायोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सफाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रायोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी देने की पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया।

सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है।

निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है। हालांकि दूसरी तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों के मजबूत रहने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मैक्रो-आर्थिक चिंताएं किसी भी बड़ी और स्थायी तेजी को सीमित कर सकती हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की बोली बढ़ाई

- अब 3.91 अरब यूरो तक पहुंच सकती है कीमत

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इटली की कमर्शियल व्हीकल निर्माता इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए अपनी पेशकश को और बढ़ा दिया है। नियामक मंजूरियों में हो रही देरी को देखते हुए कंपनी ने प्रति शेयर ऑफर प्राइस में 0.30 यूरो का इजाफा किया है। इसके बाद अब नया ऑफर प्राइस 14.40 यूरो प्रति शेयर हो गया है। अगर सभी शेयरधारक इस संशोधित ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो इस सौदे की कुल कीमत बढ़कर लगभग 3.91 बिलियन यूरो (लगभग 39,100 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। पहले टाटा मोटर्स ने 14.10 यूरो प्रति शेयर का ऑफर दिया था। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टीएमएल सीवी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए यह अधिग्रहण कर रही है। कंपनी ने 2025 में इवेको के डिफेंस कारोबार को छोड़कर बाकी पूरे बिजनेस को खरीदने की योजना बनाई थी, जिसकी अनुमानित कीमत पहले लगभग 3.8 बिलियन यूरो थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि नियामक मंजूरियों में लगने वाले अधिक समय के कारण उसने यह फैसला लिया है। हालांकि, टाटा मोटर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब इस कीमत में कोई और बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह नया ऑफर 17 जुलाई 2025 को इवेको के शेयर भाव से 33.47 फीसदी और 29 जुलाई 2025 को डील के आधिकारिक ऐलान से ठीक पहले के भाव से 6.77 फीसदी ज्यादा है।

अयोध्या के श्री राम मंदिर को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' का प्रमाण पत्र

मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली ।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है। यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसएआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसएआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

एफएसएसएआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ वर्शिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद या भोजन मिल सके। यह पहल धार्मिक संस्थानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, अनियमितताओं को रोकने और संबंधित नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। माणपत्र जारी करने से पहले एफएसएसएआई एक विस्तृत ऑडिट प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें प्रारंभिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है।

एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली का आंकड़ा तीन लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी

बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निफ्टी में 13.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजह रही है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

अदाणी डिफेंस को उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन पुरस्कार

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) का प्रतिष्ठित चैंपियन अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राजधानी में एसआईडीएम के आठवें वार्षिक सत्र में यह सम्मान दिया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उसके उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन अवॉर्ड-2026 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कंपनी के भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रयासों को मान्यता देता है। कंपनी उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण परिसर में छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन करती है। इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 30 करोड़

राउंड है, जिसमें स्वचालित तकनीक, एआई आधारित गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि यह सम्मान भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

भारत में एआई शिक्षा व बच्चों की सुरक्षा पर डब्ल्यूईएफ का जोर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक एआई विशेषज्ञ ने भारत में शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम मेधा (एआई) साक्षरता को एकीकृत करने और बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने आगाह किया कि जहां एआई बच्चों के लिए नए अवसर पैदा करता है, वहीं हानिकारक सामग्री और निजता के उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम भी लाता है। उन्होंने भारत की विविधता के अनुरूप स्थानीय भाषाओं और डिजिटल साक्षरता पर आधारित एआई सुरक्षा उपायों की वकालत की। उन्होंने एआई साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने और बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एआई प्रणालियों में अनिवार्य सुरक्षा आकलन का सुझाव दिया। उन्होंने माडल परीक्षण में बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकारी प्रोत्साहन देने की बात कही। उनके अनुसार, सुरक्षा और नवोन्मेषण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक लक्ष्य हैं। उन्होंने बच्चों की उम्र और विकास के अनुकूल मजबूत डिफ़ॉल्ट सुरक्षा उपायों, सरल निजता सेटिंग्स और अभिभावकीय नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा

सितंबर तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत और ग्रामीण मांग में कमी से परिचालन मार्जिन पर असर

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार, कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है।

खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे कंपनियों के ऐ बिटा मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। डाबर इंडिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों ने लागत वृद्धि से मार्जिन पर दबाव स्वीकार किया है, हालांकि वे मजबूत राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

डाबर ने लागत बचत और चरणबद्ध मूल्य वृद्धि से प्रभाव कम करने की बात कही है। वहीं, मैरिको ने खोपरा की कीमतों में कमी और अनुकूल उत्पाद मिश्रण के चलते बेहतर सकल मार्जिन का अनुमान लगाया है, जो बढ़ती लागत के प्रभाव को कुछ हद तक कम करेगा।

कुल मिलाकर, यह तिमाही एफएमसीजी कंपनियों के लिए राजस्व वृद्धि और मुनाफे में धीमी वृद्धि का मिला-जुला दौर साबित हो सकती है, जहां लागत नियंत्रण और उपभोक्ता मांग महत्वपूर्ण कारक होंगे।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने लॉन्च किया कलर-कोटेड इस्पात

800 करोड़ की बोकारो विस्तार योजना का हिस्सा, घरेलू मांग व पीएलआई प्रोत्साहन से मिली ताकत

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने घरेलू बाजार में विशेष इस्पात की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए बोकारो में कलर-कोटेड इस्पात का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह नई उत्पादन लाइन कंपनी की 800 करोड़ रुपये की विस्तार योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह उत्पाद बुनियादी ढांचे, वाहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र की पीएलआई योजना के तहत स्थापित है, जिससे मूल्यवर्धित इस्पात में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। कलर-कोटेड इस्पात अपनी बेहतर जंग प्रतिरोधक क्षमता के कारण कई उद्योगों के लिए उपयोगी है। अब तक इस्पात कॉइल, शीट, पाइप व टीएमटी सरिया बनाती रही बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के लिए यह लाइन नए डाउनस्ट्रीम इस्पात परिसर का पहला चरण है। 5 लाख टन क्षमता वाले इस परिसर में भविष्य में कोटेड स्टील की अतिरिक्त लाइनें भी लगेंगी। कंपनी फिलहाल घरेलू बाजार पर केंद्रित है, पर भविष्य में

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी प्रवेश पर विचार करेगी। ऊर्जा आपूर्ति हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पीएनजी आपूर्ति के लिए भी साझेदारी की गई है।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एस बॉन्ड यील्ड और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा।

तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और आगामी ब्याज दरों के फैसलों पर सीधा असर डाल सकते हैं, जिससे निवेशकों की उम्मीदें प्रभावित होंगी। घरेलू मोर्चे के अलावा, वैश्विक परिस्थितियां भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से 3 लाख टन से अधिक डीजल की तत्काल आपूर्ति (जिसमें नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख टन अतिरिक्त शामिल है) की घोषणा कुछ हद तक ऊर्जा बाजार को स्थिरता प्रदान कर सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बना रहना वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते बाजारों पर दबाव बनाए रख सकता है।

नेटफ्लिक्स में फिर छंटनी की आशंका, सैकड़ों कर्मचारियों पर लटकी तलवार

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अगले सप्ताह कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

वीडियो स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में अपने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी व्यापक छंटनी के रुझान के बीच आया है, जहां कंपनियां परिचालन लागत और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी से कंपनी के मौजूदा कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। वर्ष 2025 के अंत तक नेटफ्लिक्स में लगभग 16,000 कर्मचारी कार्यरत थे, ऐसे में 5 प्रतिशत की कटौती का अर्थ सैकड़ों लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कंपनी में इससे पहले वर्ष 2022 में भी बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी, जब कारोबार की धीमी वृद्धि और ग्राहकों की संख्या में गिरावट के कारण सैकड़ों कर्मचारियों को हटाया गया था। यह संभावित फैसला स्ट्रीमिंग उद्योग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है। गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब लगातार दर्शकों और विज्ञापन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा, कई मीडिया कंपनियां अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए विलय और एकीकरण जैसे कदम उठा रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, नेटफ्लिक्स ने पारंपरिक सदस्यता आधारित कारोबार से आगे बढ़कर विज्ञापन, लाइव कार्यक्रमों और गेमिंग जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार किया है। हालांकि, इन नई गतिविधियों के बावजूद कंपनी के सामने परिचालन लागत और कड़ी प्रतिस्पर्धा से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियों में कटौती के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

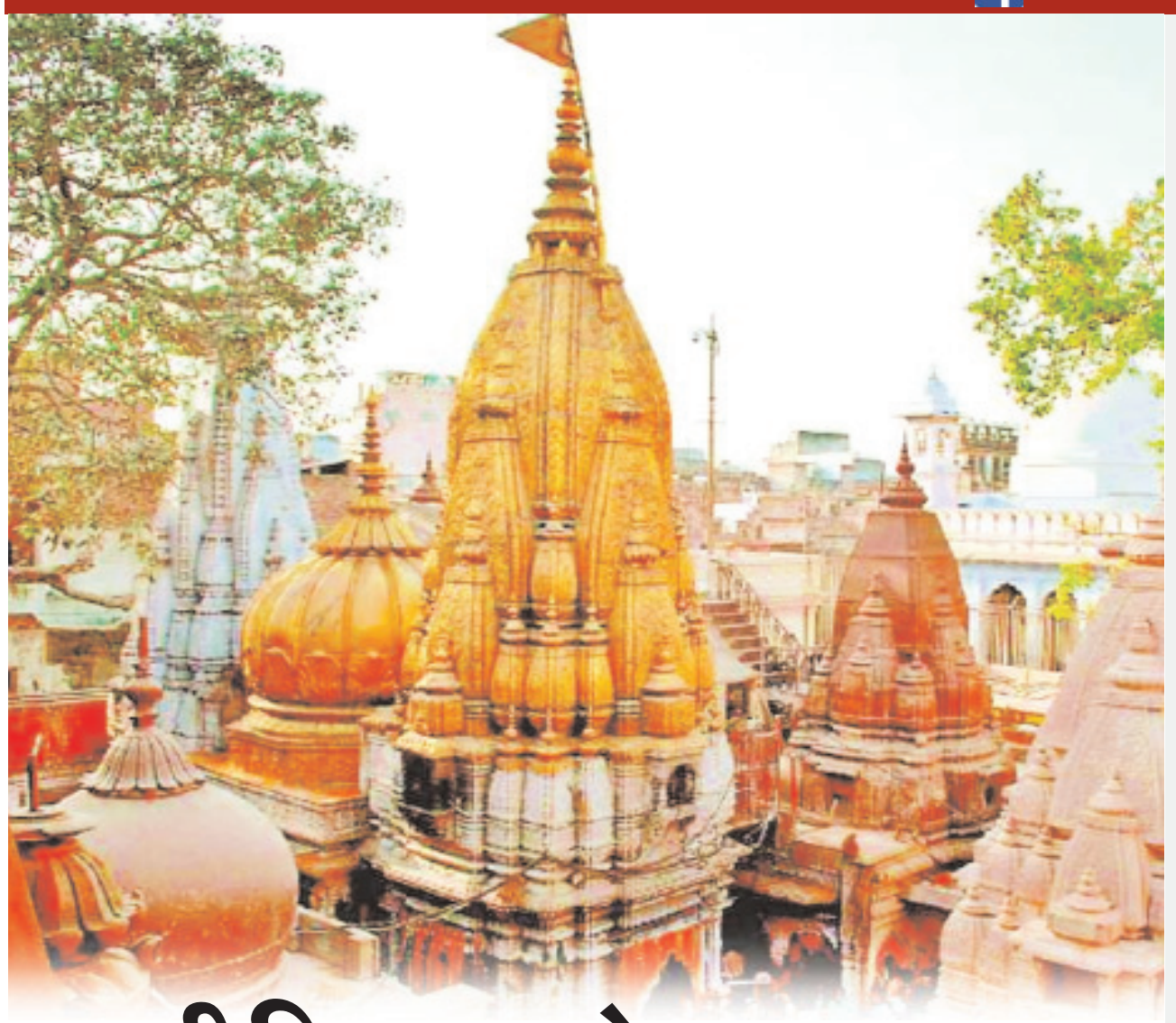

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे** :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में इसाईस तूफान से भारी तबाही की आशंका, फ्लोरिडा-अलबामा संवेदनशील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान इसाईस तेजी से मजबूत हो रहा है। फ्लोरिडा और अलबामा तट की ओर बढ़ रहा यह तूफान श्रेणी 3 का है। तूफान शुक्रवार रात तक (स्थानीय समय) लैंडफॉल कर सकता है। देश के नेशनल हरिकेन सेंटर ने समुद्र में 6 से 9 फीट ऊंचे तूफान के उछाल की चेतावनी दी है। तेज हवाएं, बाढ़ और बवंडर भी आ सकते हैं। घरों की सुरक्षा के लिए निवासियों ने जनरेटर तैयार किए। उन्होंने बाथटब में पानी भरा और रेत की बोरियां भी भरीं। फ्लोरिडा के राज्यपाल रॉन डि-सैंटिस ने बिजली कटौती और गैस की कमी की आशंका जताई। तूफान 193 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

फ्रांस में भारतीय युवक को 20 साल की सजा

पेरिस , एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल समूह का नेतृत्व करने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई। राणे ने डिस्कॉर्ड पर यह समूह बनाया था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी और न्यूजीलैंड के युवक शामिल थे। जांच में 20 से अधिक पीड़िताएं मिलीं, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं। पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय युवक को 20 साल की जेल की सजा सुनाई। उस पर पुरुषों के एक ऐसे समूह के नेतृत्व का दोषसिद्ध हुआ है, जो नाबालिगों समेत कई लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल था। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रोहन राणे ने सोशल मीडिया मंच 'डिस्कॉर्ड' पर एक समूह बनाया था। इसमें अमेरिका, जर्मनी, न्यूजीलैंड के कई युवा शामिल थे। सरकारी वकील के अनुसार, इस समूह में शामिल पुरुष लड़कियों को झांसे में लेकर फंसाते थे। बाद में उनके साथ हिंसा और यौन गतिविधियों के लिए मजबूर किया जाता था। इस गिरोह का खुलासा तब हुआ, जब कुछ समय पहले छह युवतियों ने आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में 20 से अधिक पीड़िताओं की जानकारी मिली, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं।

अमेरिका : ट्रंप ने केटी जकारिया को चुना व्हाइट हाउस का अगला प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट की लेंगी जगह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी मीडिया कंपनी की संचार सलाहकार केटी जकारिया व्हाइट हाउस की अगली प्रेस सचिव होंगी। वह कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जकारिया के नाम का ऐलान किया। वह अक्सर इस मंच पर राजनीतिक और आधिकारिक घोषणाएं करते हैं। जकारिया, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के लिए रूढ़िवादी विचारों वाली टिप्पणीकार हैं। यही कंपनी सोशल मीडिया साइट का संचालन करती है। जकारिया को इस पद के लिए चुनते हुए ट्रंप ने उन्हें 'शुरुआत से ही एक वफादार और प्रतिभाशाली समर्थक' बताया। जकारिया ने इस साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता के रूप में काम किया था। वह फॉक्स न्यूज और न्यूजमैक्स के लिए भी टिप्पणीकार रही हैं। ट्रंप ने कहा कि जकारिया उनके राष्ट्रपति चुनाव अभियानों से जुड़ी रही हैं। खास तौर पर उन राज्यों में, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा था। जकारिया से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई थी, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। लिंक्डइन पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की है। कैरोलिन लेविट ने 12 अगस्त को पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 27 अगस्त को यह पद छोड़ दिया। फॉक्स न्यूज नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज चैनल पर कार्यक्रमों में योगदान देने वाली विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। लेविट जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह पद छोड़ रही हैं। व्हाइट हाउस में काम करने से पहले लेविट, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में ट्रंप की राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं।

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नॉर्वे की नोबेल कमेटी पर तीखा हमला बोला है. दक्षिण अफ्रीकी मूल की भारतीय न्यायविद् नवी पिल्लई को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाने पर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है. उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के कई बड़े युद्धों और विवादों को सुलझाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के लिए असल में वह खुद इस सम्मान के हकदार थे.

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक बेहद लंबी पोस्ट शेयर कर नोबेल कमेटी के फैसले पर सवाल उठाए. उन्होंने नवी पिल्लई की योग्यताओं को खारिज करते हुए उन पर इजरायल-विरोधी होने का आरोप लगाया. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में दुनिया के आठ बड़े युद्धों को शांत कराया है, इसलिए उन्हें एक नहीं बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे. 'इस महिला को कोई नहीं जानता, यह नॉर्वे पर एक बदनुमा दाग 'अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा, 'यह उस महिला को महान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर चुनकर नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है, जिसके प्रतिनिधि यानी 'मैंने' 8 युद्धों और

कई अन्य मामलों को सुलझाया. मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता और न ही कोई और जानता है!' ट्रंप ने आगे कहा, 'सच तो यह है कि मेरी जानकारी के मुताबिक, कोई भी उनके बारे में इसके अलावा कुछ नहीं जानता कि वह बहुत साफ तौर पर इजरायल से नफरत करती हैं.' ट्रंप ने नोबेल कमेटी की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को मेरे जरिए यह पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. यह नॉर्वे पर एक ऐसा बदनुमा और अमिट दाग है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार को कुछ मुट्ठी भर कट्टरपंथी विचारकों ने हमेशा के लिए बदनाम कर दिया है, जो लोकतंत्र के विरोधी और सभ्यता के दुश्मन हैं. ट्रंप ने गिनाए वो '8 युद्ध' जिन्हें सुलझाने का किया दावा डोनाल्ड ट्रंप ने उन 8 अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की पूरी सूची भी साझा की, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह शांत कराने का दावा किया है. ट्रंप के मुताबिक, इन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने खुद नॉर्वे की नोबेल कमेटी को पत्र भेजकर उनके योगदान की तारीफ की थी. ट्रंप द्वारा गिनाए गए 8 विवाद इस प्रकार हैं: कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अज़रबैजान, इजरायल और हमास ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल में सभी बंधकों को वापस लाया, जिसमें जीवित और मृत दोनों मिलाकर आखिरी 28 बंधक शामिल थे, और ऐसा करने के लिए उन्होंने सीधे हमास के साथ काम किया. उन्होंने कहा कि दो और बड़े मोर्चों–ईरान और रूस-यूक्रेन विवाद को भी वह बहुत जल्द सुलझाने या जीतने वाले हैं. इसके साथ ही उन्होंने उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और ताइवान के क्षेत्रों में भी तनाव को रोकने का श्रेय लिया. ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन युद्धों को मैंने सुलझाया, उनमें कभी संयुक्त राष्ट्र से बात नहीं की, क्योंकि वे किसी काम के नहीं थे. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया ट्रंप का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति के इस गुस्से के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुला समर्थन किया है. शहबाज शरीफ ने दोहराया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आधिकारिक तौर पर उनका नाम नामांकित किया था. पाकिस्तानी पीएम ने उम्मीद जताई कि शांति को बढ़ावा देने के ट्रंप के इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी. भारत ने ट्रंप के दावों को किया खारिज एक तरफ जहां ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को सुलझाने का श्रेय ले रहे हैं, वहीं नई दिल्ली (भारत) ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. भारत ने हमेशा की तरह साफ किया है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में किसी भी बाहरी मध्यस्थता की कोई भूमिका नहीं थी. भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजफायर पूरी तरह से द्विपक्षीय (दोनों देशों के बीच) बातचीत का नतीजा था. पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था. भारतीय सेना के इस कड़े एक्शन के बाद, जब पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के लॉन्च पैड पूरी तरह ध्वस्त हो गए।

यूएन में भारतीय नारी शक्ति: सांसद ने पाकिस्तान को दिखाया आईना; प्रिया सरोज बोलीं- अपराध पर जीरो टॉलरेंस

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो महिला सांसदों ने अलग-अलग मुद्दों पर देश का पक्ष रखा। महिमा कुमारी मेवाड़ ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के बयान का जवाब दिया, जबकि प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों के आपराधिक आचरण और जवाबदेही का मुद्दा उठाया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों सांसदों के बयानों की जानकारी साझा की।

महिमा कुमारी ने पाकिस्तान पर क्या आरोप लगाए : संयुक्त राष्ट्र की चौथी समिति में उपनिवेशवाद से जुड़े मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में महिमा कुमारी ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के मंच का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ और गलत जानकारी फैलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को ऐसा करने से बचना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर भारत ने क्या दोहराया : महिमा कुमारी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों ने अपने बुनियादी अधिकारों, आजादी और जरूरी सुविधाओं की मांग कर रहे दर्जनों निर्दोष नागरिकों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही, चुनावों में धांधली, लोकप्रिय निर्वाचित नेताओं को जेल में डालने, धार्मिक कट्टरपंथ और सरकारी नीति के तौर पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उपदेश देने से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र में कौन-सा मुद्दा उठाया : प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की छठी समिति में एजेंडा आइटम 75 पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों की आपराधिक जवाबदेही से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि भारत कर्मचारियों के आपराधिक आचरण और कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। उन्होंने जवाबदेही तय करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों के बीच मजबूत सहयोग तथा प्रभावी व्यवस्था बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा पर क्या कहा : प्रिया सरोज ने कहा कि जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन और पीड़ितों व गवाहों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता मजबूत करने, सदस्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

फ्लाईदुबई मामला: ओमान का सह-पायलट विमान तेल अवीव हवाई अड्डे पर गिराना चाहता था

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि फ्लाईदुबई के सह-पायलट का इरादा तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान को यात्री टर्मिनल में गिराना था। पिछले महीने उसने तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के भारतीय कप्तान स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया था। यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इस्राइल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हमामी के रूप में की गई है।

यूएई के अटॉर्नी जनरल हमद सैफ अल शम्सी के मुताबिक, को-पायलट करीब 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था. न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हम्माम अल-हम्मामी 2015 से 2017 तक मेलबर्न के रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा, लेकिन इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी नहीं की. जांच के मुताबिक, वह आतंकी संगठनों और आत्मघाती हमलों का समर्थन करने वाली किताबें और ऑनलाइन सामग्री देखने लगा था. उसे मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े समूहों का समर्थन मिलने की बात भी कही गई है. वह 9/11 हमलों और तकफीर विचारधारा से प्रभावित था. इसमें एक मुसलमान दूसरे मुसलमान को धर्म से बाहर मान सकता है. जांचकर्ताओं के मुताबिक, को-पायलट ने माना कि विमान से हमला करने की योजना उसके पायलट बनने के फैसले से जुड़ी थी. उसने जनवरी 2026 में फ्लाईदुबई जॉइन की थी. इससे पहले चार साल ओमान एयर और कुछ समय मोरक्को की रॉयल एयर मारोक में काम किया था. उसने तेल अवीव की दो उड़ानों से रास्ते की जानकारी जुटाई. वह कट्टरपंथी सामग्री देखता रहा और बॉक्सिंग भी सीखी. उसका दावा है।

अमेरिकी नौकरी विदेश भेजी तो लगेगा भारी टैरिफ, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कंपनियों को चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि जो कंपनियां अमेरिकी नौकरियां विदेशों में ले जा रही हैं या अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कानूनी अप्रवासियों को रखेंगी, उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना और देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। ओहायो के लीमा शहर में एक रिपब्लिकन मिडटर्म चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियां विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी

नागरिकों को रोजगार दे रहे हैं, तो बहुत बढ़िया। हम आपको बड़ा टैक्स कट देंगे और उत्पादन बढ़ाने और कारोबार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हालांकि अगर आप अमेरिकी नौकरियां विदेश भेज रहे हैं, अपना कारखाना किसी विदेशी कंपनी को स्थानांतरित कर रहे हैं या बाद में अमेरिकी कर्मचारियों की जगह किसी कानूनी अप्रवासी को रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको क्या मिलेगा? भारी टैरिफ।

वेंस की यह टिप्पणी इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा की बात करते हुए कानूनी अप्रवासियों का भी स्पष्ट रूप से जिक्र किया। हालांकि, उपराष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि कानूनी अप्रवासियों को रोजगार देने वाली कंपनियों पर किसी नए टैरिफ को कैसे लागू किया जाएगा या ऐसी कोई नई नीति कब लाई जाएगी।

इसके बावजूद उनकी टिप्पणियों से यह साफ संकेत मिला कि प्रशासन रोजगार के मामले में अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने और कंपनियों को अमेरिका के भीतर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। वेंस ने कहा कि प्रशासन की नीतियों का उद्देश्य दशकों से चली आ रही औद्योगिक गिरावट को पलटना और अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों को विदेश जाने से रोकना है। अपने गृह नगर मिडलटाउन, ओहायो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने फैक्ट्रियां बंद होते और नौकरी जाने के बाद परिवारों को संघर्ष करते देखा है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि जब मां या पिता अपनी नौकरी खो देते हैं तो परिवारों पर उसका क्या असर पड़ता है।' वेंस का कहना था कि सरकारी नीतियां ऐसी होनी चाहिएं जो कंपनियों को विदेशों में नौकरियां भेजने के बजाय अमेरिका में निवेश और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, 'हम अपने लोगों के लिए लड़ेंगे। ' उपाध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि प्रशासन की आर्थिक नीतियों के कारण खरबों डॉलर का निवेश आया है और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा हुई हैं। वेंस ने ओहायो में ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और दवा कंपनियों के प्रस्तावित निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अमेरिका में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी।

भारत-अफ्रीका संबंध: 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को समर्थन, सहयोग और आत्मनिर्भरता पर जोर

अदीस अबाबा, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच ऐतिहासिक साझेदारी को साझा एकजुटता, समान अवसरों और आत्मनिर्भरता की भावना पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका दोनों की विकास संबंधी प्राथमिकताएं औद्योगीकरण, आर्थिक प्रगति और अपने भविष्य को स्वयं निर्धारित करने की आकांक्षा से जुड़ी हैं। शुक्रवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अडवा मेमोरियल म्यूजियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को औद्योगीकरण के अवसर मिलने चाहिए और सस्ते सामान की अत्यधिक आमद या बाजार तक पहुंच सीमित करने जैसे कदम उनकी विकास यात्रा में बाधा नहीं बनने चाहिए। भारत और अफ्रीका के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच बढ़ते व्यापार एवं निवेश संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। इनमें विनिर्माण, दूरसंचार, दवा उद्योग, ऊर्जा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाएं और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को लेकर भारत और अफ्रीका की साझा सोच इस दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूत नींव है। दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी क्षमताओं को मजबूत करना और विकास की दिशा स्वयं तय करना महत्वपूर्ण है। अफ्रीका में 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को भारत का समर्थन विदेश मंत्री ने बताया कि अफ्रीकी देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी संबंधित देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जाती है।

जयशंकर के अनुसार, भारत ने बिजली उत्पादन, विद्युत पारेषण, जल प्रबंधन, कृषि, रेलवे, स्वास्थ्य सेवाओं, विनिर्माण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 220 से अधिक परियोजनाओं का समर्थन किया है।

ट्रंप ने पुतिन से की बड़ी डील, डीजल समझौते पर जेलेंस्की बोले- युद्ध के बीच निवेश जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका को 3,00,000 मीट्रिक टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करने जा रहा है. उन्होंने कहा कि यह सप्लाई तुरंत की जाएगी. बता दें, ट्रंप प्रशासन अगले महीने 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ते दामों को कम करने के प्रयास में जुटा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस के साथ हुई डीजल डील को 'बड़ी डील' बताया और अमेरिका को 'भारी मात्रा' में डीजल की आपूर्ति करने पर सहमति जताने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का धन्यवाद भी किया. ट्रंप ने न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज में मिड-टर्म चुनाव प्रचार के लिए जाने से पहले व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि आपने रूस के साथ हुई तेल डील के बारे में सुना होगा. यह एक बड़ी डील है. इससे हमारे देश में बहुत बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है. मैं राष्ट्रपति पुतिन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है, और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है. यह बयान उनकी उस घोषणा के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि रूस तुरंत अमेरिकी और वैश्विक बाज़ारों में 3,00,000 टन से ज़्यादा डीजल की सप्लाई करेगा. 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि रूस नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10 लाख टन डीजल की सप्लाई करेगा. इसके बाद, अपनी डीजल रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर, कुछ ही समय में 30 लाख टन और डीजल की

सप्लाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सप्लाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी कंट्रोल से अमेरिकियों और ग्लोबल मार्केट में डीजल की कीमतें कम होंगी. ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारे पूरे कंट्रोल और रूसी एनर्जी पर इस शानदार घोषणा की वजह से अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए डीजल की कीमतें तेजी से और रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी. उन्होंने अमेरिकियों, खासकर किसानों, पशुपालकों और ट्रक ड्राइवरों के लिए कीमतें कम करने को अपनी 'सबसे बड़ी प्राथमिकता' बताया और फिर से कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा. वहीं, अमेरिका की रूस से इस डील पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी है. जेलेंस्की ने तनाव कम करने के किसी समझौते के बिना मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की आलोचना की. सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में, जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंध लगाने, यूक्रेन को लगातार समर्थन देने और संघर्ष को खत्म करने के लिए मॉस्को पर और ज्यादा दबाव बनाने की मांग की. उन्होंने लिखा कि शांति कभी भी कमजोरी से नहीं आती. आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि दोनों पार्टियों के नेताओं का एक दल कीव में थे।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं

पनामा सिटी (पनामा), एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए. पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप से झटकों से लोग हिल गए. उसके बाद 6.6 तीव्रता का एक और झटका लगा. लगातार भूकंप के झटकों से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग घबरा गए.जानकारी मिली है कि कई इमारतें गिर गई हैं. हालात को देखते हुए लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है. सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई एक पोस्ट में, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 9 अक्टूबर को रात 11:26 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर आया. दी गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पनामा सिटी, पनामा से 206 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. इस बीच, पनामा में अमेरिकी दूतावास ने बताया कि 9 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:56 बजे पनामा के ला पितालोजा में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पितालोजा अरिबा से लगभग 14 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था.

दूतावास ने चेतावनी दी कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप के झटके और आ सकते हैं. उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, पेरू, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, पनामा, निकारागुआ,

कोलंबिया और इक्वाडोर के लिए संभावित सुनामी की चेतावनी जारी की है. दूतावास ने कहा कि तट के पास तेज और असामान्य धाराएं और अचानक पानी का तेज बहाव (सर्जेस) हो सकता है.इसके साथ ही, प्रभावित इलाकों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें और ताजा जानकारी के लिए स्थानीय आपातकालीन प्रसारण और आधिकारिक निर्देशों पर नजर रखें. दूतावास ने लोगों से कहा कि वे नुकसान वाली जगहों पर न जाएं और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करने से बचें. साथ ही, तटीय इलाकों में रहने वालों को ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई. इसके अलावा, लोगों को बिजली और संचार व्यवस्था ठप होने की संभावना के लिए तैयार रहने को भी कहा गया. अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भूकंप का असर राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया है. लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए और खुले स्थानों पर आकर तमाम जानकारियों का इंतजार करने लगे. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट किया कि शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया। दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत का माहौल है। भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया। भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ है। लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं। लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्द्वानी नर्सिंग कॉलेज में फिर रैगिंग, छात्र दाखिले के अगले दिन ही घर लौटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) के एक छात्र ने 5 अक्टूबर को दाखिला लिया और अगले ही दिन कॉलेज छोड़ दिया। उसने कॉलेज प्रशासन को सौंपे शिकायत पत्र में सीनियर्स पर बॉस कहलवाने, अभद्रता व गाली-गलौज का आरोप लगाया है। छात्र के अनुसार, सीनियर्स ने दाखिले वाले दिन ही उसे अपने कमरे में बुलाकर बॉस कहलवाया, अभद्रता की और गाली-गलौज भी की। इस घटना से आहत छात्र ने दाखिला रद्द करने का अनुरोध करते हुए शिकायती पत्र सौंपकर घर का रुख किया। प्राचार्य ने शिकायत की पुष्टि करते हुए मामले को गंभीरता से लेने और गहन जांच के बाद सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि जिस मेडिकल कॉलेज परिसर में नर्सिंग कॉलेज संचालित होता है, वह रैगिंग के लिए बदनाम रहा है। मार्च 2022 में सिर मुंडवाने, दिसंबर 2022 में मुर्गा बनाने और मार्च 2024 में पांच छात्रों के निष्कासन जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

सेना पर आईएसआई की सेंध, दो सैन्यकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

फरीदकोट (एजेंसी)। देश की सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले में इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सेना को गोपनीय सूचनाएं साझा करने का आरोप है। फाजिल्का के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल द्वारा 8 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर के अनुसार, दिलप्रीत सिंह, राजबीर सिंह (दोनों सैन्यकर्मी) और गुरनूर सिद्धू (महिला) को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों सैन्यकर्मी भारत-चीन सीमा पर तैनात थे। इन पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इसमें भारतीय सेना के कर्मियों पर सीधे तौर पर दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने का आरोप है। जांच एजेंसियां अब उन गोपनीय सूचनाओं का पता लगा रही हैं जो कथित तौर पर साझा की गईं, साथ ही अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भी तलाश जारी है। फिलहाल, आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

शारदीय नवरात्रि पर रजनीकांत के फैन ने 230 तस्वीरों से सजाया मंदिर

-दिल्ली में पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। 10 दिन तक चलने वाले इस उत्सव की सबसे ज्यादा धूम पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और मध्य भारत में रहती है। दिल्ली में नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, तमिलनाडु के मदुरै में रजनीकांत के एक फैन ने मंदिर में खास सजावट की। इसमें रजनीकांत के 230 से ज्यादा किरदारों की तस्वीरें और प्रतिरूप लगाए गए हैं। फैन पिछले तीन साल से हर नवरात्रि पर यह सजावट कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बस्तर में नवरात्रि उत्सव की पारंपरिक 'काछन गादी' रस्म पूरी की। इस रस्म के बाद देवी ने बस्तर दशहरा उत्सव शुरू करने की अनुमति दी। यह परंपरा हर साल दशहरा उत्सव की शुरुआत से पहले निभाई जाती है। यूपी के मिर्जापुर में नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। जम्मू और कश्मीर के कटरा में नवरात्रि के पहले दिन पूजा करने के लिए कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के मां शारदा मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और प्रार्थना करने पहुंचे।

शराब से केंद्र और राज्यों को चार लाख करोड़ रुपये की आय, तेलंगाना सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। शराब उद्योग से केंद्र और राज्य सरकारों को सालाना करीब चार लाख करोड़ रुपये की कर आय प्राप्त होती है। राज्यों के कुल कर राजस्व में शराब की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में शराब से कर आय का हिस्सा सबसे अधिक 32 प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु 27 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश 25 प्रतिशत के साथ 3 प्रमुख राज्यों में शामिल हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शराब से कर आय की हिस्सेदारी 23-23 प्रतिशत बताई गई है। आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में यह आय 21 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि कई राज्यों की आर्थिक व्यवस्था में शराब से मिलने वाला राजस्व अहम भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में शराब उद्योग से केंद्र और राज्यों को कुल चार लाख करोड़ रुपये की कर आय शराब से मिली. 2020-21 में यह लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपये थी। इस अवधि में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उद्योग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 से 2025 के बीच महंगी श्रेणी की शराब की सालाना वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही। इससे शराब बाजार में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग आय बढ़ने का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

मणिपुर में ताजा झड़पों में अब तक 9 की मौत, सीएम ने की हत्या व हिंसा की निंदा

-सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे

इम्फाल, एजेंसी।
मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार को भी तनाव बना रहा और दो समुदायों के बीच ताजा झड़पों में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है। इस बीच सीएम वाई खेमचंद सिंह ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रण में लाने को कहा। बता दें शुक्रवार-शनिवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में हिंसा की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ने पोस्ट में कहा कि मैं निर्दोष नागरिकों की हत्या और हिंसा की निंदा करता हूं। मैंने संबंधित अधिकारियों को शांति और कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सभी समुदायों से स्थिति को शांत करने के लिए संयम बरतने

और शांति, संवाद तथा सद्भाव को प्राथमिकता देने की भी अपील की। सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक शनिवार को संदिग्ध उग्रवादी कामजोंग जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास तंगखुल नगा समुदाय की बस्ती निंगचौ गांव में भी घुस गए और गोलीबारी की। इस घटना में नगाचांसो निंगशेन और लेइशिशान लेइशादांग की मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बल गांव पहुंचे। स्थानीय लोगों का दावा है कि गोलीबारी करने के बाद हमलावर म्यांमा की ओर भाग गए। उखरुल जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने चेपू याओलेन गांव के पास एक कार पर गोलीबारी की, जिसमें संदीप राय की मौत हो गई।

कांगपोकपी जिले के मकुई अशांग और तापन में भी सशस्त्र समूहों के बीच भारी गोलीबारी की सूचना है। इस साल फरवरी से कुकी और नगा जनजातीय समुदायों के बीच जारी हिंसा में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई मकानों को आग लगा दी गई है। इससे पहले राज्य में इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास की पहाड़ियों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

हवा में विमान के अंदर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से निकला धुआं

-हैदराबाद में इंडिगो फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6115 को एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से धुआं निकलने के बाद हैदराबाद की ओर डायवर्ट कर दिया गया। घटना के बाद विमान में मौजूद यात्रियों के बीच चिंता की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, केबिन क्रू ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला किया। विमान की राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइन के मुताबिक, घटना के दौरान यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। उपलब्ध जानकारी में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने का उल्लेख नहीं है।

यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने की व्यवस्था
इंडिगो ने यात्रियों को उनके गंतव्य चेन्नई तक पहुंचाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की है। एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों को रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है और उन्हें स्थिति के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित घटना के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार, लेकिन कानूनों का पालन जरूरी

-बीजेपी सांसद ने सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर के विरोध पर विपक्ष को घेरा

कांगड़ा , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर बीजेपी तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी बतानी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनुराग ने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों और कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर ठाकुर ने कहा कि नियमों के मुताबिक कोई भी विरोध कर सकता है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेशी ताकतों के एजेंडे के मुताबिक भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस आधार के आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश सफल नहीं होगी। इस दौरान अनुराग ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

अब सीजेपी के साथ प्रदर्शन में उतरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन प्रमुख नेताओं, अभिजीत दीपेके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में लिए जाने के बाद दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी ने अजिंक्य शिंदे को विरोध प्रदर्शन का नया कप्तान नियुक्त किया है, जिन्होंने ऐलान किया है कि रविवार को भी आंदोलन नहीं थमेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार प्रदर्शन की आवाज़ पूरे देश में गूंजेगी और पहले से कहीं ज़्यादा जोरदार होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अमित शाह की दिल्ली पुलिस खुद तो गुंडागर्दी पर उतर ही आई।

गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधे चुनौती देते हुए कहा, अमित शाह, जितनी पुलिस लानी है, 10 हज़ार, 20 हज़ार, 40 हज़ार, ले आइए। भाजपा आरएसएस के जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने वाले नहीं हैं। पीछे हटने वाले नहीं हैं। ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है! उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वे मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने जोर देकर कहा, संविधान की धज्जियां उड़ेंगी और हम चुप बैठेंगे? ऐसा हरगिज़ नहीं होगा। जवाबदेही तय करवाकर रहेंगे! राहुल गांधी ने अपने विरोधियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहे हैं और उन्हें अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि अब खलनायक धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं और इनका दायरा सिमट रहा है। यह गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी बुधवार से लेकर शुक्रवार तक दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रही थी। हालांकि, शनिवार को जब सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश की और पूरी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया, तब कांग्रेस ने इस आंदोलन से दूरी बनाए रखी। बयानों के जरिए कांग्रेस जरूर भाजपा और केंद्र सरकार पर वार करती रही। राहुल गांधी शनिवार को चेन्नई में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी, लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरे नहीं : राहुल गांधी

चेन्नई (एजेंसी)। राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरने की जरूरत नहीं हैं। आइलैंड ग्राउंड्स में 30 मिनट के कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी है। सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है। तमिल कल्चर, भाषा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में आयोजित किया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी इंटरनेशनल दबाव में हैं। अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। देश का मूड जनता जान गई है। पूरी दिल्ली बंद है। पुलिस बच्चों को मार रही है, इंटरनेट बंद है। बीजेपी के गुंडे सड़क पर घूम रहे, बच्चों को पीट रहे हैं। पेरियार महान इंसान थे, क्योंकि वे सवाल करते थे। पेरियार ने स्टूडेंट को सिखाया कि बिना समझे किसी भी विचार को फॉलो न करें। सेंट्रलाइजेशन, 87फीसदी एमबीबीएस तमिल सीट कम की जा रही हैं। 70फीसदी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर नहीं है, उसको आरएसएस के गर्वनर चला रहे हैं।

क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है?

-बीजेपी सांसद ने जेएनयू प्रोफेसर पर लगे आरोपों पर राहुल से पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने रविवार को कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। स्वराज ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 9 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद बिमोल अकोइजम को यौन दुराचार के आरोपों के चलते जेएनयू ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। मई 2026 में एक-दो नहीं, बल्कि 11 छात्रों ने अकोइजम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जेएनयू ने पॉश एक्ट के तहत एक आंतरिक कमेटी गठित की। कमेटी ने तमाम साक्ष्यों, गवाहों और पीड़ितों की गवाही के आधार पर मामले की जांच की, जिसके बाद बिमोल अकोइजम को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। यह कार्रवाई गंभीर सवाल उठाती है। स्वराज ने कहा कि आरोप बेहद परेशान करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने स्टूडेंट्स को देर रात एकेडमिक असेसमेंट के लिए अपने घर बुलाया था, जिसमें एक वाइवा परीक्षा भी शामिल थी जो कथित तौर पर रात 11:40 बजे तक चली।

बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज मैं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है? इस घटना ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर किया है। कांग्रेस के लिए नारीवाद की शुरुआत सिर्फ एक हैशटैग से होती है और जवाबदेही के मोर्चे पर आते ही दम तोड़ देती है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, देश आपकी चुनिंदा नाराज़गी, आपके मकसद से प्रेरित रुख पर, झूठे नैरेटिव पर सवाल उठाता है। इस आरोपी सांसद के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने अब तक न कोई जांच बैठाई है, न ही उनसे जवाबदेही तय करने के लिए कोई शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं लिया गया। राहुल गांधी क्या 11 छात्राओं की शिकायतों की गूंज आप तक नहीं पहुंची? या आप छात्रों की गूंज को सिर्फ एक छिछोरी कॉमेडी के लिए आवरण बना लिया है?

दिल्ली में इंटरनेट बंद पर उमर अब्दुल्ला का तंज, बोले- नए जेएंडके मॉडल में स्वागत है

नई दिल्ली , एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के एक प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जंतर-मंतर के आसपास इंटरनेट सेवाओं को एहतियातन निलंबित करने पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेताओं ने इसे कश्मीर मॉडल करार देते हुए लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है। खबर- जंतर-मंतर पर कॉजपा के शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में पांच किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाएं निलंबित किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट निलंबन पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कश्मीर मॉडल को दिल्ली में लागू कर दिया गया है और यह नए जम्मू-कश्मीर के मॉडल

पर बनी नई दिल्ली का स्वागत है। उनके पिता और नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से निपटने का केंद्र का तरीका कश्मीर के लोगों के साथ वर्षों से किए जा रहे व्यवहार की याद दिलाता है। उन्होंने जोर दिया कि विपक्ष की आवाज दबाना और लोगों को जायज चिंताएं उठाने के अधिकार से वंचित करना लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है। अब्दुल्ला ने सुशासन के लिए सशक्त विपक्ष को जरूरी बताया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में लगाई गई पाबंदियों से दिल्ली की स्थिति की तुलना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज की दिल्ली कश्मीर की भयावह याद दिलाती है, जहां लोगों को घरों में बंद कर दिया गया था और इंटरनेट बंद था। मुफ्ती ने सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान पर आरोप लगाया कि वह विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के बाद बेशर्मी से दावा करेगा कि कोई प्रदर्शन हुआ ही नहीं।

बीजेपी स्वतंत्रता सेनानी को नहीं मानती, ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है

-अखिलेश बोले- हमने जेपी की याद में स्मारक बनाया, सरकार इसे भी बेच रही है

लखनऊ, एजेंसी।
लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जेपीएनआईसी का दौरा किया। वह जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस बीच उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश पर निशाना साधा।

जेपीएनआईसी का दौरा करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया और उनके मूवमेंट से परिवर्तन हुआ, वो समाजवाद की विचारधारा लेकर चले। जेपी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने राष्ट्रपति महात्मा गांधी के साथ काम किया। हालांकि अब म्यूजियम में कुछ बचा नहीं क्योंकि आज की जो सरकार है वह किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को नहीं मानती। ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है। हमने जयप्रकाशजी की याद में इतना बड़ा स्मारक बनाया लेकिन सरकार इसे भी बेच रही है।

अखिलेश ने कहा कि इस सरकार के लिए विचार बड़ा नहीं, उन्होंने रुपए में बेच दिया। पैसे के भार से उन्होंने विचार दबा दिए। सरकार में बैठे लोग पीड़ा देने वाले लोग हैं और ये जितना पीड़ा देंगे उतना पीडीए बढ़ेगा, परिवर्तन होना तय है। इस सरकार के पास 45 से 50 दिन ज्यादा नहीं बचे हैं।

इसके बाद प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के प्रदर्शन को सिर्फ एक नाटक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी महापुरुषों और लोहिया-जेपी के नाम का इस्तेमाल सिर्फ अपने करतूतों को छिपाने के लिए कर रही है। पाठक ने सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में जो प्रोजेक्ट शुरू में 17 करोड़ रुपए का था, उसकी लागत बढ़कर 850 करोड़ रुपए तक कैसे पहुंच गई? उन्होंने जेपीएनआईसी की लागत बार-बार बढ़ाने और उसमें फाइव स्टार सुविधाओं और स्विमिंग पूल बनाए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए।

पाठक ने जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए कहा कि जेपी ने अपनी पूरी जिंदगी में भ्रष्टाचार, कदाचार और परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करने और उनके बताए आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, न कि राजनीतिक रोटियां सेंकना। इससे पहले ओमप्रकाश राजभर ने भी जेपीएनआईसी को लेख अखिलेश यादव पर निशाना साधा था। उन्होंने पूछा कि जेपीएनआईसी पर 864 करोड़ रुपए खर्च कर दिए फिर भी परियोजना पूरी नहीं हुई। इतना पैसा आखिर गया कहां? आप जेपीएनआईसी के नाम पर राजनीति करने से पहले बताए कि जनता के 864 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी निर्माण पूरा क्यों नहीं हुआ? एक-एक रुपए का हिसाब दीजिए।